श्री सर्वेश कुमार, माननीय स०वि०प० से प्राप्त तारांकित प्रश्न संख्या-1/212/216 का उत्तर प्रतिवेदन

प्रश्न	उत्तर प्रतिवेदन
क्या मंत्री, Minor Irrigation विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि: (क) क्या यह सही है कि सिमरिया धाम बेगूसराय में गंगा के तट पर सरकार द्वारा स्नान घाट, अतिथिगृह, वाच-टावर, शौचालय, चेंज रूम आदि बनाये गये हैं ; (ख) क्या यह सही है कि सिमरिया धाम में वर्ष के लगभग 6 महीने गंगा का तट निर्मित घाटों से दूर चला जाता है, विशेष कर गर्मी के दिनों में श्रद्धालु भक्तों को धार्मिक स्नान, पूजा पाठ हेतु 500 से 1000 मीटर तक दूर जाना पड़ता है । उन दिनों जो संरचना बना है उसका उपयोग बिल्कुल नहीं हो पाता है ; (ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यह बतलाने की कृपा करेगी कि हरिद्वार में जिस तरह हर की पौड़ी का निर्माण किया गया है उसी तर्ज पर सिमरिया धाम में एक से दो किलोमीटर का नहर निकाल कर जानकी पौड़ी का निर्माण हो जिसमें सालों भर गंगा का जल रहे जिससे श्रद्धालु भक्तों को सरकार द्वारा निर्मित घाटों पर सालों भर स्नान की सुविधा मिल सके इसके लिए सरकार के पास क्या कोई योजना है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?	वस्तुस्थिति यह है कि सिमरिया धाम के समीप 478 मीटर की लम्बाई में सीढ़ी घाट के साथ-साथ चेंजिंग रूम, धार्मिक अनुष्ठान हेतु मंडप, वॉच टावर, श्रद्धालुओं हेतु बैठने की व्यवस्था, शौचालय, धर्मशाला, पाथ-वे इत्यादि का निर्माण कराया गया है । वर्तमान में निर्मित सीढ़ी घाट के अपस्ट्रीम में सिमरिया धाम के द्वितीय चरण में 125 मीटर की लम्बाई में सीढ़ी घाट का निर्माण कार्य प्रगति में है, जिसे माह नवम्बर 2026 तक पूर्ण किया जाना निर्धारित है । प्रतिवर्ष सिमरिया धाम में श्रावणी मेला (माह जुलाई-अगस्त) तथा कार्तिक माह (अक्टूबर-नवम्बर) में कल्पवास मेला लगता है। सिमरिया धाम, के निर्माण का मुख्य उद्देश्य कल्पवास मेला में आने वाले श्रद्धालुओं को सुख सुविधा प्रदान करना है। उक्त मेलों में आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा सीढ़ी घाट के साथ अन्य निर्मित संरचनाओं का उपयोग किया जाता है, जिससे इस योजना के मुख्य उद्देश्य की पूर्ति होती है । सिमरिया धाम में सीढ़ी घाट का निर्माण गंगा नदी की मुख्य धारा के बायें किनारे पर किया गया है, जबकि हर-की-पौड़ी का निर्माण गंगा नदी की मुख्य धारा पर भीम गोड़ा बैराज निर्मित कर उससे निकले नहर पर किया गया है । स्पष्टतः दोनों क्षेत्रों की भोगौलिक स्थिति (टोपोग्राफी) में अन्तर है, जिसके कारण सिमरिया धाम को हर-की-पौड़ी के तर्ज पर गंगा नदी से नहर निकालकर विकसित किये जाने की तकनीकी संभावना क्षीण हो जाती है ।

बिहार सरकार
जल संसाधन विभाग

ज्ञापांक–25 / वि0प0प्र0(सम0)–06–16 / 2026– पटना, दिनांक–

प्रतिलिपि– अवर सचिव, बिहार विधान परिषद् सचिवालय, बिहार, पटना को 212वें सत्र से प्राप्त तारांकित प्रश्न सं0–01 / 212 / 216 का उत्तर प्रतिवेदन (पाँच प्रति) सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0 / –
(अनिल कुमार गुप्ता)
संयुक्त सचिव

ज्ञापांक–25 / वि0प0प्र0(सम0)–06–16 / 2026– पटना, दिनांक–

प्रतिलिपि– उप सचिव, संसदीय कार्य विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0 / –
(अनिल कुमार गुप्ता)
संयुक्त सचिव

ज्ञापांक–25 / वि0प0प्र0(सम0)–06–16 / 2026– पटना, दिनांक–

प्रतिलिपि– प्रशाखा पदाधिकारी, प्रशाखा–17, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

ह0 / –
(अनिल कुमार गुप्ता)
संयुक्त सचिव

ज्ञापांक–25 / वि0प0प्र0(सम0)–06–16 / 2026– 1001 पटना, दिनांक– 25/02/2026

प्रतिलिपि– कार्यपालक अभियंता, आई0 टी0 सेंटर, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।

24.02.26
(अनिल कुमार गुप्ता)
संयुक्त सचिव
25.02.26